हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शनिवार 13 दिसंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

नगरपालिका मण्डला के वार्ड क्रमांक 08 के सीमा क्षेत्र के भीतर आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील

मण्डला। जिला मण्डला के नगरीय निकायों में 30 सितम्बर 2025 तक की स्थिति में आकस्मिक रिक्त स्थानों (सीटों) की पूर्ति के लिए उप निर्वाचन वर्ष 2025 (उत्तरार्द्ध) संपन्न कराने के लिए निर्वाचन कार्यक्रम (समय-अनुसूची) का निर्धारण किया गया है। निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही नगर पालिका मण्डला के वार्ड क्रमांक 08 के सीमा क्षेत्र के भीतर आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई हैं, जो निर्वाचन परिणाम की घोषणा की तिथि तक प्रभावशील रहेगी। आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील रहने के दौरान उक्त सीमा क्षेत्र के भीतर संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम के प्रावधान लागू रहेंगे तथा अस्त्र/शस्त्र लेकर चलना, विस्फोटक पदार्थों का विक्रय, परिवहन वर्जित रहेगा। बिना अनुमति सभा, रैली का आयोजन एवं ध्वनि विस्तार यंत्रों का उपयोग निषिद्ध रहेगा। प्रचार-प्रसार के लिए वाहनों का उपयोग भी सक्षम अनुमति के बिना नहीं किया जायेगा। सोशल मीडिया/प्रिंट मीडिया में विज्ञापन का प्रकाशन-प्रसारण की पूर्व अनुमति प्राप्त करना एवं पोस्टर, बैनर, पम्पलेट के मुद्रण कार्य में भी मुद्रकों को आदर्श आचरण का पालन करना अनिवार्य होगा। आदर्श आचरण संहिता के प्रावधानों का उल्लंघन पाये जाने पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम तथा भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के अंतर्गत विधिक कार्यवाही की जाएगी।

संवेदनशील नेतृत्व का असर कलेक्टर के एक निर्देश से मिली राहत

जिले में हर मंगलवार आयोजित होने वाली जनसुनवाई समस्याओं के तत्काल समाधान का प्रभावी माध्यम बन चुकी है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के संवेदनशील नेतृत्व ने जनसुनवाई को वास्तव में जन-हितैषी और परिणामकारी स्वरूप प्रदान किया है। ऐसे ही एक मामले में निवास तहसील के ग्राम पाठा देवगांव निवासी प्रहलाद मोंगरे की समस्या का मौके पर ही समाधान किया गया। प्रहलाद मोंगरे ने खेत की नकल के लिए आवेदन किया था लेकिन उनका आवेदन निरस्त हो गया था। समाधान न मिलने पर वे अपनी परेशानी लेकर जनसुनवाई में पहुंचे और कलेक्टर के समक्ष पूरी व्यथा रखी। कलेक्टर श्री मिश्रा ने उनकी समस्या को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्देश मिलते ही अधिकारियों ने उसी समय लोक सेवा केंद्र मंडला में नया आवेदन करवाया और उसी दिन प्रहलाद मोंगरे को खेत का नक्शा प्रदान कर दिया गया। मौके पर ही समस्या के समाधान से खुश होकर प्रहलाद मोंगरे ने जिला प्रशासन और कलेक्टर के प्रति आभार व्यक्त किया।

जब चक्का जाम की दी चेतावनी तब जागा प्रशासन

गौवंश की मौत को लेकर आमरण अनशन

*** गौशाला की अव्यवस्था को लेकर आक्रोश।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/निवास

जागरूक ग्रामीणों द्वारा गौशाला में हुईं आधा दर्जन गौवंशों की मौत के पश्चात एक संत और ग्रामीणों ने 09 दिसंबर को लिखित आवेदन निवास अनुविभागीय दंडाधिकारी और निवास थाना में दी लेकिन प्रशासन का लचर रवैया देख गोप्रेमी संत भूख हड़ताल पर बैठ गया, वहीं जब दो दिन तक प्रशासन व पंचायत के प्रतिनिधि और अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया तब 11/12/2025 को चक्काजाम करने का अल्टीमेटम पत्र दिया गया तब भी प्रशासन ने गंभीरता से नहीं लिया, जबकि प्रशासन और जनपद के अधिकारी चाहते तो पंचायत के सरपंच/सेक्रेटरी से गोशाला के प्रबंधन संबंधित दस्तावेज व राशि की मॉनिटरिंग कर उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाते हुये उक्त आंदोलन को रोक सकते थे, जिसकी वजह से 2 घंटे तक यातायात जाम रहा और जबलपुर मंडला आदि शहरों से डिंडोरी, अमरकंटक, उमरिया जिलों की ओर जाने वाले यात्री वाहनों को या तो थम जाना पड़ा या 10 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर काटकर जाना पड़ा।

ज्ञात हो कि प्रदेश की पूर्व कमलनाथ सरकार के द्वारा अनाथ गौवंश की स्थाई सेवा के लिये प्रदेशभर में हजारों गौ शालाओं का निर्माण कराया जाकर इसके समुचित संचालन की जिम्मेदारी पंचायतों की दी गई थी, लेकिन सरकार बदली तो उक्त गोशालाओं की दुर्दशा भी शुरू हो गई और इन गोशालाओं में रहने वाले गोवंश बदहाली का शिकार हो गये।

वहीं सुरुआत में इनके चारे पानी की व्यवस्था करने 60 हजार महीने की राशि भी मिलती थी पर गौवंश की इस राशि पर भी अधर्मियों की नजर लग गई या बाद कि सरकार ने राजनीतिक द्वेष के चलते इन गोशालाओं को दी जा रही राशि में कोताही करते हुये महीने में बीस हजार देने लगी यह राशि भी तीन से चार माह के अंतराल में मिली जिससे उक्त गोशालाओं में बदइंतजामी निर्मित हो गई और यहाँ के गोवंश भूखे प्यासे मरने लगे।

ताजा मामला निवास जनपद अंतर्गत अमगवां पंचायत के बिझोली ग्राम स्थित गौशाला का है जहाँ पंद्रह दिन में 5 गौवंशों की मौत होने पर पंचायत के प्रतिनिधि व प्रशासन पर गाँव वाले व गौवंश के शुभचिंतकों का गुस्सा फूट गया और इन्हें चक्काजाम जैसे आंदोलन करना बाध्य होना पड़ा।

अंततः आंदोलनकारियों की मांग पर जनपद सीईओ निवास ने सचिव व रोजगार सहायक को अन्य पंचायत में ट्रांसफर करने की मांग का प्रतिवेदन बनाकर शीर्ष अधिकारियों को भेज दिया है, अब देखना यह है कि उक्त आंदोलन के बाद इस गौशाला की व्यवस्था सुधरती है या नहीं या फिर ख्ढाक के तीन पात, वाली कहानी चरितार्थ होगी।

इनका कहना है :-

कांग्रेस की कमलनाथ सरकार द्वारा ये गोशालाएं खुलवाई गईं थी, तब सरकार पर्याप्त राशि देती थी और सब ठीक रहा,लेकिन भाजपा सरकार के राज में इन गोशालाओं की हालात खराब हैं प्रशासन से मांग है कि गोवंशों के खाने पीने की उचित व्यवस्था करे।

-चैनसिंह बरकड़े,
कांग्रेस विधायक निवास

मंडला पुलिस की पहल ने बदला 15 युवाओं का भविष्य

*** ग्रामीण युवाओं को मिला एल एंड टी कंपनी में सम्मानजनक रोजगार।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला पुलिस की संवेदनशील पहल ने एक बार फिर जिले के ग्रामीण युवाओं की जिंदगी में उम्मीद की नई किरण जगाई है। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के नेतृत्व में आयोजित रोजगार कैम्प एवं काउंसलिंग का सकारात्मक परिणाम सामने आया है।

एकल सुविधा केंद्र के माध्यम से मंडला पुलिस लगातार प्रयास कर रही है कि दूरस्थ और सीमित अवसर वाले इलाकों के युवा भी निजी क्षेत्र में सम्मानजनक नौकरी प्राप्त कर सकें। इन्हीं प्रयासों की कड़ी में पूर्व में आयोजित एल एंड टी कंपनी प्लेसमेंट कैंप के बाद इस बार बिछिया क्षेत्र के 15 ग्रामीण युवाओं का चयन किया गया है।

गुरुवार को पुलिस अधीक्षक श्री सकलेचा के मार्गदर्शन में इन चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। नियुक्ति पत्र पाते ही युवाओं के चेहरों पर आत्मविश्वास की चमक और परिवारों के मन में गर्व का एहसास साफ झलक रहा था।

चयनित सभी युवाओं को प्रशिक्षण के लिए कंपनी के लखनादौन सेंटर के लिए रवाना किया गया। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद एल एंड टी कंपनी द्वारा उनका औपचारिक प्लेसमेंट किया जाएगा।

यह पहल न केवल रोज़गार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह बताती है कि जब पुलिस जैसी संवेदनशील संस्थाएँ सामुदायिक विकास के लिए आगे आती हैं, तो युवाओं के जीवन में सकारात्मक और स्थायी बदलाव संभव होता है।

केन्द्रीकृत वेतन प्रोसेसिंग संबंधी प्रशिक्षण 18 दिसंबर को

मण्डला। जिला कोषालय अधिकारी ने बताया कि समस्त प्रकार के कर्मचारियों को प्रत्येक माह की 01 तारीख को वेतन प्रदान करने के लिए आई.एफ.एम.आई.एस. के माध्यम से केन्द्रीकृत वेतन प्रोसेसिंग (Centralized Pay Processing) की सुविधा विकसित की गई है। इससे प्रत्येक डी.डी.ओ. को पृथक से पेरोल जनरेशन का कार्य नही करना होगा तथा यथा आवश्यक संशोधन पेरोल में करते हुए देयक लगाए जा सकेंगे। इस प्रकार वेतन आहरण में समयबद्धता तथा त्वरित गति सुनिश्चित की जा सकेगी।

आपकी पूंजी आपका अधिकार अंतर्गत बैंकर्स एवं विभागीय अधिकारियों की बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशानुसार बैंकर्स एवं विभागीय अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। आपकी पूंजी आपका अधिकार अभियान के अंतर्गत आयोजित इस बैठक में अनक्लेम्ड मनी तथा अक्रियाशील खातों के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह ने उपस्थित बैंक शाखा प्रबंधकों को संबोधित करते हुए कहा कि शुक्रवार की शाम तक विभागीय संस्थाओं, योजनाओं एवं अन्य विभागीय अक्रियाशील खातों की जानकारी संबंधित विभाग को उपलब्ध कराएं। जिससे अक्रियाशील खातों के संबंध में आवश्यक अग्रिम कार्यवाही समय पर की जा सके।

बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक सुजय कुमार ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशानुसार यदि कोई भी खाता 10 वर्षों से अधिक समय से अक्रियाशील है तो ऐसे खातों की राशि आरबीआई के विशिष्ट खाते में ट्रांसफर की दी जाती है। आगामी 31 दिसंबर तक भारतीय रिजर्व बैंक ने आपकी पूंजी आपका अधिकार अभियान अंतर्गत इस तरह के खातों की राशि क्लेम करने का अवसर दिया है। उन्होंने बताया कि मंडला जिले में तीन श्रेणी के खाते इसमें शामिल हैं। व्यक्तिगत खातों के अलावा संस्थाओं एवं शासकीय विभागों के कुछ खाते भी अक्रियाशील श्रेणी में चिन्हित हुए हैं।

अपर कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में निर्देशित किया कि सभी शाखा प्रबंधक इस तरह के खातों की लिस्टिंग करें। शाखा एवं शाखा के बाहर सूची चस्पा करते हुए इसका प्रचार करें। मीडिया तथा सोशल मीडिया के माध्यम से भी अभियान का प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक खातों को रेगुलर करें। आरबीआई द्वारा बनाए गए पोर्टल की भी जानकारी खाताधारकों तक पहुंचाएं। इस कार्य में स्थानीय जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लें। बैठक में विभागीय अधिकारी तथा सभी जिला स्तरीय शाखा प्रबंधक मौजूद रहे।

कान्हा पार्क के सरही गेट में मध्यप्रदेश टूरिज्म की सरही रिजॉर्ट में पर्यटकों के लिए कैंटर वाहन आने से खुशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

मध्यप्रदेश के राष्ट्रीय उद्यानों और पर्यटन स्थलों को सुसज्जित बनाने सुविधाओं में लगातार विस्तार किया जा रहा है। इसी कड़ी में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने पन्ना नेशनल पार्क से पर्यटकों की जंगल सफारी के लिए 10 वीविंग कैंटर बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसी कड़ी इन बसों की सुविधा एक लंबे समय से कान्हा नेशनल पार्क के सरही गेट में कैंटर वाहन की मांग चल रही थी जिसमें मध्यप्रदेश के पर्यटन सरही इकाई के मैनेजर योगेंद्र चौधरी के अथक प्रयास से मध्यप्रदेश पर्यटन की रिजॉर्ट सरही जंगल रिजॉर्ट में भी एक कैंटर बस आई है जिससे आने वाले समय में पर्यटकों के लिए बहुत ही सुखद एवं बजट फ्रेंडली है कैंटर बस में 18 पर्यटक एक साथ कम खर्च में सफर कर सकते है, जिससे क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर कुछ रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे इस सुविधा से क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

रकबा बढ़ाकर की लाखों की हेराफेरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

किसानों को उनकी उपज का भरपूर लाभ मिले इसके लिये सरकार समर्थन मूल्य पर किसानों की उपज खरीदती है यह खरीदी

*** धान खरीदी में मण्डला लेम्पस का मामला।**

कार्य सहकारी समितियों के माध्यम से किया जाता है सरकार का उद्देश्य है कि किसानों को उनकी मेहनत का भरपूर लाभ मिले साथ ही खेती मुनाफे का धंधा बने लेकिन कुछ सहकारी समितियाँ और उनमें काम करने वाले लोगों की करामातों के चलते न केवल किसानों का हक मारा जा रहा है बल्कि शासकीय राजस्व को भी चूना लगाया जा रहा है और इसकी यदि शिकायत की जाती है तो वर्षो तक न तो ऐसे कारनामों की जांच होती है और न ही दोषियों को दण्डित किया जा रहा है।

मण्डला सहकारी समिति द्वारा वर्ष 2021-22 में जो खरीदी कार्य किया गया उस दौरान बताया जाता है कि बाप-बेटे की जोड़ी ने जमकर माल कमाया। सूत्रों की माने तो उस दौरान बाप जहां प्रबंधक का दायित्व संभाल रहे थे तो वहीं बेटा कम्प्यूटर ऑपरेटर के रूप में काम कर रहा था। इस दौरान एक किसान के द्वारा जो पंजीयन कराया गया तो पंजीयन में खसरे में उसका रकबा 0.3100 हेक्टेयर था जिसे कम्प्यूटर ऑपरेटर द्वारा 31.00 हेक्टेयर कर दिया गया याने सीधे-सीधे रकबे को सौ गुना बढ़ा दिया गया और इस बढ़े हुये रकबे के अनुपात पर फसल की मात्रा भी बढ़ी और फिर बाजार से कम कीमत में खरीदी गई धान इस खाते में चढ़ाई गई और मिल जुलकर माल अंदर कर लिया गया इसकी भनक जब संबंधित किसान को लगी तो उसने जहां-तहां जिले में लिखित रूप से शिकायत की लेकिन आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं हो सकी है।

अब इस वर्ष पुनः यही पिता-पुत्र द्वारा धान खरीदी की व्यवस्था संभाली जा रही है सहकारी समिति मण्डला द्वारा जो आरडी कॉलेज के सामने गोदाम में धान खरीदी केन्द्र संचालित किया जा रहा है उसमें पुनः यही पिता एक बार फिर प्रबंधक की भूमिका में है तो कम्प्यूटर ऑपरेटर के रूप में उनके पुत्र धान खरीदी का काम संभाल रहे हैं ऐसे में कृषकों ने एक बार पुनः बड़े भ्रष्टाचार होने की आशंका जताई है।

मानव अधिकार दिवस | नर्मदा संरक्षण, स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारी पर लिया संकल्प।

समस्या ग्रस्त क्षेत्र में जाकर मनाया मानव अधिकार दिवस

*** उत्कृष्ट योगदान देने वालों का किया सम्मान।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मानवाधिकार दिवस के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन द्वारा मंडला के चिरामन घाट अयोध्या बस्ती मुन्नी बाई धर्मशाला पर एक विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मानव अधिकारों की सुरक्षा, नशा मुक्ति, स्वच्छता और नर्मदा संरक्षण को लेकर नागरिकों को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वार्डवासी, सामाजिक कार्यकर्ता और प्रतिष्ठित नागरिक मौजूद रहे।

कार्यक्रम का नेतृत्व प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश कुमार सोनी ने किया। उन्होंने कहा कि मानव अधिकार केवल अधिकारों की बात नहीं, बल्कि दूसरों की सुरक्षा, सम्मान और समान अवसर सुनिश्चित करने का सामूहिक कर्तव्य भी है। सोनी ने नर्मदा घाटों की जर्जर स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि घाटों का जीर्णोद्धार जनसुरक्षा और विरासत संरक्षण के लिए अत्यंत आवश्यक है।

इस मौके पर आनंद सोनी ने मानवाधिकारों की मूल भावना—समानता, सम्मान और न्याय—पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि समाज तभी सुरक्षित बनता है जब नागरिक अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक हों।

कार्यक्रम में उपस्थित नीलू महाराज ने सभी लोगों को नर्मदा संरक्षण, नशा से दूरी, और घाटों पर स्वच्छता बनाए रखने की सामूहिक शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार दिवस का संदेश तभी सार्थक होगा जब हम प्रकृति, समाज और व्यक्ति—तीनों के अधिकारों की रक्षा करेंगे। जिला अध्यक्ष दिलीप तिवारी ने सभी को मानव अधिकार के महत्व पर प्रकाश डाला एवं सुधीर कांसकार ने कुशल संचालन किया अशोक सोनी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राजा शुक्ला उपाध्यक्ष द्वारा सभी अयोध्या बस्ती मुन्नी बाई धर्मशाला के द्वारा बताई गई सभी समस्याओं के शीघ्र निराकरण हेतु विभिन्न फोरम में मुलाकात कर प्रयास करेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन के इस कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार हनुमान तिवारी, किशोर रजक, राजेश छत्री, राजा शुक्ला, राजेश यादव राजेश दीक्षित, राजेंद्र सोनी, हेमंत श्रीवास सहित अनेक सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान नर्मदा घाट की सेवा और पैरामेडिकल कॉलेज महाराजपुर में छात्रों द्वारा मानव अधिकार पर संबोधन किया ओर कविताएं भी पढ़ी मानव अधिकार टीम द्वारा सभी सहभागी छात्रों को पुरस्कार प्रदान किया गया एवं मानव अधिकार टीम द्वारा इस क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्राचार्य श्री समीर साहू ओर शिक्षकों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। राजेश क्षत्रि द्वारा सभी का आभार प्रदर्शन किया गया।

समापन में संगठन ने आव्हान किया कि मानवाधिकार दिवस केवल समारोह नहीं, बल्कि पूरे वर्ष समाज को सुरक्षित, स्वच्छ, समान और जागरूक बनाने का संकल्प है।

खबर संक्षेप

अवैध रूप से हथियार लेकर घूमता युवक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। पुलिस द्वारा संदिग्धों पर पैनी नजर रखने के लिये लगातार गस्त की जा रही है। इसी के चलते बीते हुये दिवस पुलिस द्वारा कठल पेट्रोल पंप के पास एक युवक को अपने हाथ में तेज धारदार चाकूनुमा हथियार लेकर घूमते मिला और पुलिस को देखकर छिपने का प्रयास करते हुये जब पुलिस द्वारा आरोपी को घेराबंदी करते हुये पकड़कर पूछताछ की गई तो युवक ने अपना नाम ब्रजेश पिता राजेश पारासर उम्र 21 साल निवासी एमपीईबी कालोनी बताया गया। वही पुलिस द्वारा आरोपी के पास से तेज धारदार चाकूनुमा हथियार जप्त करते हयु गिरप्तार करते हुये न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

ट्रेक्टर ट्रालियों में ओवर लोड मिट्टी के सड़क पर गिरने से राहगीर परेशान

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय नगर की सड़कों पर देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से नियम विरूद्व ट्रेक्टरों का परि संचलन किया जा रहा है उस ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणाम यह है कि ट्रेक्टरों के संचालक पूर्णरूप से अपनी मनमानी पर उतारू होकर आम लोगों तथा नगरवासियों की जिन्दगी को खतरे में डालते हुए देखे जा रहा है? यदि इन ट्रेक्टरों के संचालन की स्थिति पर गौर किया जावे तो यहां पर अनेक ट्रेक्टर कृषि कार्य के नाम पर रजि. होने के बाद भी अन्य कार्यो में लगे हुए है? मगर प्रशासन का ठुलमुल रवैया होने के कारण इन ट्रेक्टर चालको के हौसले बुलंद देखे जा रहे है? इतना नही आये दिन दिखा जाता है कि जब इन ट्रेक्टरों से मिट्टी, रेत व गिट्टी की ढुलाई करते हुए नगर में प्रवेश करते है तो इन ट्रेक्टरों को इस प्रकार के नाबालिक बच्चों द्वारा दौड़ाते हुए देखा जाता है कि जिनके पैर न तो ब्रेक तक पहुंच पाते है और न ही उनकी उम्र वाहन चलाने की होती है। इसके बाद भी प्रशासन की कुम्भकर्णी निंद्रा का परिणाम है कि उनके द्वारा छूट प्रदान किये जाने के कारण यह लोग आम लोगों की जिन्दगी को खतरे में

अधिकारियों व मिल प्रबंधको की अनदेखी से ओडीएफ व्यवस्था को लग रहा ग्रहण

वाह्शौच मुक्त घोषित जिले में बाहरी मजदूरों के चलते गांव-गांव फैल रही गंदगी

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जिस प्रकार से देश के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर प्रदेश के मुख्य मंत्री द्वारा स्वच्छ भारत स्वस्थ्य भारत का सपना संजोकर इस देश को डिजीटल बनाने की कल्पना की गई है उसे संबंधित विभाग के ही अधिकारियों द्वारा चूना लगाने में कोई कसर नही छोड़ रहे है? क्योंकि देश के प्रधानमंत्री के द्वारा स्वच्छ भारत का सपना पालते हुये स्वच्छ भारत व स्वास्थ्य भारत की शुरूआत की गई थी उसी के चलते प्रशासन द्वारा लोगों के घरों में पक्के शौचालयों का निर्माण कराने के लिए करोड़ो की राशि खर्च कर डाली है। मगर यदि इसकी सच्चाई पर गौर किया जावे तो यह मुहिम मात्र अधिकारियों की उदासीनता व मिली भगत के चलते कागजों पर ही दिखाई देने के आलवा और कुछ साबित होने से नही चूक पा रही है..? जिसका उदाहरण इस समय हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में आसानी से देखने मिल सकता है। जहां पर बीते हुये लगभग सात वर्ष पहले यहां के अधिकारियों द्वारा संपूर्ण जिले को बाह्शौच घोषित कराते हुए प्रदेश की सूची में शायद सबसे पहले बाह्शौच घोषित होने वाले जिले के नाम पर प्रथम स्थान पा लिया गया होगा..? मगर यदि उसकी सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक गांवों में लोगों के घरों में शौचालयों का निर्माण अभी तक नही हो पाया है और जिन लोगों के घरों में शौचालयों का निर्माण हुआ है वह शौचालय टूटते हुए अपने निर्माण में की गई गफलबाजी की सच्चाई को स्पष्ट करने से नही चूक पा रहे है..? यह बात अलग है कि कुछ साल पहले जब अधिकारियों द्वारा जिले को प्रदेश में सबसे पहले शौचमुक्त कराने के लिए रात दिन एक करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। वही दूसरी ओर पंचातयों में हुये शौचालयों के निर्माण को लेकर भी अधिकारियों द्वारा अचानक पहुंचकर उनका निरीक्षण किया जा रहा था। मगर यह निरीक्षण मात्र उनकी औपचारिकता की दिखाई दे रही थी? क्योंकि अधिकारियों को किसी भी प्रकार से जिले को बाह्शौच मुक्त कराने के लिए टारगेट दिया गया था उसके चलते अधिकारियों ने निर्मित हुए शौचालयों की न तो गुणवत्ता देखी गई थी और न ही इस बात का ध्यान रखा गया था कि लोगों के घरों में शौचालयों का निर्माण हो भी रहा है कि नही सिर्फ कागजों पर ही निर्मित हुये शौचालयों के आधार पर जिले को बाह्शौच मुक्त घोषित कराया गया था उसकी सच्चाई गांवों में खुलेआम दिखाई दे रही है और जहां पर आज भी लोगों को खुले मैदानों में शौच करने के लिये जाते हुये हुए देखा जा रहा है..? वही दूसरी ओर रही सही कसर इस समय गन्ना की कटाई करने के लिये आने वाले लोगों द्वारा पूरी की जा रही है जिनके लिये संबंधित विभाग द्वारा शौच जैसी जरूरी व्यवस्थाओं के लिये कोई प्रबंध नही किये जाने के कारण तथा जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी के चलते ओडीएफ घोषित जिला गंदगी से भरपूर दिखाई देने लगा है..? इस तरह शासन द्वारा लोगों के घरों में पक्के शौचालयों के निर्माण हेतु प्रत्येक हितग्राही के नाम पर लगभग 13 हजार रूपया से अधिक की राशि खर्च की गई है तथा शौचालयों के निर्माण पर निर्धारित माप दंड तय करते हुए उनके निर्माण का जिम्मा सौपा गया था। मगर गांवों में बनाये गये शौचालयों की सच्चाई को देखने से यह जान पड़ रहा है कि शासन की इस राशि को खुलेआम बर्बाद करते हुए शौचालय निर्माण की नाम पर औपचारिकता ही निभाई गई है? वही अनेक पंचातयों में निर्मित हुये शौचालयों की सच्चाई इस प्रकार से देखने मिल रही है कि एक ही गड्डे पर जहां दो दो शौचालयों का निर्माण करते हुए गिनती के हिसाब से दो शौचालयों का निर्माण कर दिया गया है जिसे जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा पूर्ण रूप से नजर अदांज किया गया है? जबकि शासन के माप दंड के अनुसार एक शौचालय के निर्माण में दो गड्डो का होना जरूरी माना जाता है और शौचालय निर्माण को लेकर यही शासन का आदेश है? मगर इसके बाद भी गांवों में शौचालयों का निर्माण करने वाली कंपनियों द्वारा एक शौचालयों में दो गड्डो बनाना तो दूर की बात दो शौचालयों को एक ही गड्डे पर खड़ा कर दिया गया है। इस प्रकार से दो शौचालयों के बीच तीन गड्डे गायब करते हुए उनमें लगने वाली धनराशि का खुलेआम बंदर बांट होने के बाद भी जिला से लेकर पंचायत स्तर पर पदस्थ शासकीय कर्मचारियों से लेकर उन्हें पास करने वाले इंजीनियर तक अपनी आंखे बंद किये हुए गुणवत्ता पूर्ण निर्माण होने का ठप्पा लगाने से नही चूकेगे थें। इस प्रकार से शौचालयों के निर्माण में बरती गई गफलत बाजी की सच्चाई को लेकर ऐसा नही कि जिला स्तर पर बैठे हुए अधिकारियों को जानकारी नही है? क्योंकि इस सच्चाई को शौचालयों के निर्माण के दौरान हरिभूमि द्वारा अनेकों बार प्रमुखता के साथ उठाते हुए अधिकारियों को अवगत कराने के बाद भी कोई ध्यान नही देना निश्चित की शौचालयों के निर्माण में हुई गफलबाजी में अधिकारियों की मिली भगत होने के संकेत मिलते हुए जान पड़ रहे है? इतना ही नही अनेक पंचायतों में तो यह तक देखा जा रहा है कि कागजों के हिसाब से वहां पर शौचालयों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। मगर वहां पर आज भी अधूरे पड़े हुए निर्माण कार्य के चलते ग्रामीणजन उनका उपयोग नही कर पाने की स्थिति में जब वह बाहर खुले में शौच जाते हुये देखे जाते है तो इस बाह्शौच मुक्त घोषित हुई जिने की पोल खुलने से नही चूक पा रही है? यदि कुछ साल पहले बाह्शौच मुक्त घोषित करने के लिये निर्मित किये गये शौचालयों के निर्माण की सच्चाई को लेकर जांच शुरू हो जावे तो निश्चित ही अनेक अधिकारियों से लेकर पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा शौचालय निर्माण के दौरान अपनाई गई गफलतबाजी उजागर होने से नही चूक पायेगी?

रात के समय वाहनों में लगी अतिरिक्त सफेद लाईट बन रही दुर्घटना का कारण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इन दिनों रात के समय जिस तरह लगातार सड़क दुर्घटनाओं में इजाफा होते हुये देखा जा रहा है उसका मुख्य कारण वाहनों में लगे हुये नियम विरूद्व अतिरिक्त सफेद व एलईडी लाईट बनने से नही चूक रहे है। लोगों द्वारा अपने वाहनों में जिस तरह मनमर्जी के मुताबिक अपने वाहनों में तेज रोशनी वाले सफेद एलईडी लाईट अतिरिक्त रूप से लगाये गये है वह सड़क दुर्घटनाओं को खुला आमंत्रण देने से नही चूकते है। क्योंकि जब सामने की ओर से इस तरह किसी वाहन में रात के समय तेज व सफेद तेज रोशनी वाला एलईडी लाईट चल रहा होता है कि उसके सामने से आ रहे वाहन चालक को सड़क पर कुछ भी दिखाई नही देता है। इस स्थिति में सामने वाले वाहनों को साइड देने के चक्कर में या तो उसका वाहन सड़क के नीचे उतारकर दुर्घटना ग्रस्त हो जाता है फिर आमने सामने से दोनों वाहन टकरा जा रहे है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये गुरूवार शुक्रवार की दरम्यानी रात समीपस्थ बेलखेड़ी पुलिया के समीप उस समय देखने मिली जब एक कार व मोटर साईकिल की इस तरह टक्कर हुई की मोटर साईकिल चालक जहां सड़क से अपनी बाइक सहित दूर जा गिरा जिसके चलते गंभीर रूप से घायल हो गया तो दूसरी ओर कार को भी काफी क्षति पहुंचने से नही बच पाई। जबकि गौर किया जावे तो आये दिन जहां तहां पुलिस को वाहन चैकिंग करते हुये देखा जाता है। मगर वाहनों में अतिरिक्त रूप से लगे हुये इन तेज रोशनी वाले लाईटों को नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है कि क्षेत्र में लगातार सड़क दुर्घटनाओं में इजाफा होने से नही चूक रहा है।

गर्भवती महिला के पेट में लात मारते हुये चोट पहुंचाई

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। कभी कभी इस तरह के नजारे देखने मिलते है कि लोग उसकी कल्पना तक नही कर सकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम पतलोन टोला में देखने मिली जहां पर एक व्यक्ति द्वारा गर्भवती महिला के पेट में लात मारते हुये चोट पहुंचाई। घटना के संबंध में पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम पतलोन टोला निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरे घरके सामने भूरा धानक नामक व्यक्ति रहता है जो बीते हुये दिवस हम लोगों के आने जाने वाले रास्ते को बंद करते हुये दिवार बना रहा था। जब प्रार्थिया और उसकी देवरी द्वारा भूरा धानक को इस तरह मार्ग बंद कराते हुये दीवार उठाने से मना किया तो आरोपी द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये प्रार्थिया सहित उसकी देवरानी के साथ मारपीट की गई। प्रार्थिया की देवरानी जो 8 माह से गर्भवती थी उसके पेट में लात मारते हुये चोटे पहुंचाई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थिया की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

अपनी जमीन बचाने के लिये धरना दे रहे किसानों के बीच पहुंची सुनीता पटैल

किसानों को परेशानी व आर्थिक क्षति का सामना करने के लिये मजबूर

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। ग्राम विकास की उचित व्यवस्था पंचायत द्वारा नही किये जाने का परिणाम है कि कुछ किसानों को परेशानी व आर्थिक क्षति का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कौड़िया के लगभग दर्जन से अधिक किसानों द्वारा कुछ दिनों पहले अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन देते हुये अवगत कराया गया था। पंचायत द्वारा ग्राम कौड़िया से निकलने वाले नालियों के पानी का उचित प्रबंध नही किये जाने के कारण वह गंदा पानी किसानों के खेतों में जाने के चलते उनकी फसलों को क्षति पहुंच रही है। इस पानी का उचित प्रबंध किया जावे। मगर अभी तक किसी तरे कोई कार्यवाही नही होने के चलते जहां पीड़ित अन्नदाता किसानों को पंचायत की मनमानी का विरोध करते हुये धरने पर बैठने के लिये मजबूर होना पड़ा है। इस तरह पीड़ित किसानों द्वारा शुरू किये गये धरने के तीसरे दिवस शुक्रवार को क्षेत्र की पूर्व विधायक तथा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्रीमति सुनीता पटैल पीड़ित किसानों द्वारा दिये जा रहे धरने में पहुंचकर जहां किसानों की समस्या को सुना गया और धरने को अपना समर्थन देते हुये कहा कि किसानों की परेशानी निश्चित तौर से उनकी पीडा बन चुकी है। इस तरह किसानों के धरने को अपना समर्थन देते हुये कहा कि उनकी परेशानी में वह उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ खड़ी है। इस दौरान अन्य कांग्रेस नेतागण भी मौजूद थें।

लो बोल्टेज की समस्या को लेकर आमजन के साथ किसान भी हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। इस समय पड़ झमाझम बारिश ब्रेक लग जाने की स्थिति में पड़ रही उमस भरी गर्मी से जहां क्षेत्र के किसान अपने खेतों में लगाई हुई धान सहित अन्य फसलों को लेकर परेशान हो रहा है। वही दूसरी ओर विद्युत विभाग के अधिकारियों की मनमानी ने क्षेत्र के अनेक गांवों के किसानो को हलाकान करके रख दिया है? क्योंकि नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में ही रही बिजली कटौती के चलते जहां वह रात के समय अपने घरों में सो नही पा रहे है। वही अनेक गांवों में देखा जा रहा है कि लो बोल्टेज के चलते लोगों के घरों में लगे हुए बल्ब भी जुगनू के समान लाईट देने के कारण स्कूली बच्चें अपनी पढ़ाई नही कर पा रहे है और यही हाल अन्य बिजली से चलने वाले उन यंत्रों का हो रहा है जो बिजली के बोल्टेज की समस्या को लेकर अपना व्यापार नही कर पा रहे है? वही दूसरी ओर क्षेत्र के किसानों द्वारा हरिभूमि से चर्चा करते हुए बताया है कि किसानों से विभाग बिजली का बिल तो पूर्णरूप से बसूल कर रहा है। मगर बिजली की समस्या से निजात नही दिला रहा है, यदि किसान किसान के खेत पर रखी डीपी जल जाती है तो किसानों को बिजली विभाग अधिकारियों देवता की तरह पूजना पड़ता है जब कही उन्हें डी पी मिल पाती है, वही दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्र में चंद घंटे मिलने वाली बिजली में लोवोल्टेज की समस्या के चलते किसानों के मोटर पंप ही नही चल पा रहे है, किसके कारण किसानों के खेतों में लगी हुई गन्ना व धान की फसले पीली पड़ने लगी है? यह बात सही है कि कुछ दिनों पूर्व अच्छी बारिश के चलते किसानों के खेतों में पानी तो भर गया है जिससे राहत महसूस की जा रही है।

शराब के नशे में कार चलाते हुये मारी टक्कर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। लगातार वाहन चैकिंग होने के बाद भी जिस तरह लोगों को शहर के अंदर शराब के नशें में मस्त होकर अपने वाहन दौड़ाते हुये दिखाई देने के साथ आम लोगों की जिन्दगी को खतरा पहुंचा रहे है। वही निश्चित तौर से पुलिस द्वारा चलाये जा रहे नशामुक्ति अभियान सहित पुलिस की वाहन चैकिंग व्यवस्था को कटघरे में खड़ा करने से नही चूक रही है। कुछ इसी प्रकार का ममाला नगर में उस समय देखने मिली जब एक युवक शराब के नशे में मस्त होकर न्यायालय के सामने मुख्य मार्ग पर अपनी कार दौड़ाते हुये टक्कर मारते हुये दूसरी कार को क्षति पहुंचाई। घटना के संबंध में पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार छिंडवाडा जिले में पुलिस आरक्षक पद पर तैनात एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरी पत्नि एवं बच्चे गाडरवारा में रहते है। जिनसे मिलने के लिये बीते हुये दिवस वह अपनी चार पहिया क्रेटा गाड़ी क्रमांक MP22- ZG-2628 से आया था। जैसे प्रार्थी अपनी कार लेकर न्यायालय के सामने मैन रोड पर पहुचा था तभी पीछे तरफ से एक शिफ्ट डिजायर कार MP05-CB-5082 का चालक शराब के नशे में अपनी कार को तेजगति, लापरवाही पूर्वक तथा खतरनाक तरीके से चलाकर लाया और पीछे से प्रार्थी की कार को टक्कर मारकर एक्सीडेंट कर दिया जिससे प्रार्थी की कार पीछे से क्षतिग्रस्त हो गयी है। वही जब प्रार्थी ने आरोपी चालक से उसका नाम पूछा तो उसने अपना नाम सुरेन्द्र सिंह पिता बाबूलाल दिवान निवासी पड़ाव थाना बनखेड़ी जिला नर्मदापुरम का होना बताया जो शराब के नशे में था। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी कार चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा आज

उत्कृष्ट विद्यालय चीचली में 288 तथा शा कन्या उ मा विद्यालय सालीचौका में 288 छात्र छात्रायें शामिल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। समीपस्थ बोहानी स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6 सत्र 2026-27 मे प्रवेश हेतु चयन परीक्षा आज 13 दिसम्बर दिन शनिवार क्रो क्षेत्र के चयनित परीक्षा केंद्रों पर प्रातः 11:30 बजे से 1:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। उक्त परीक्षा मे शासकीय व अशासकीय स्कूलों के वर्तमान सत्र मे अध्ययनरत कक्षा 5 वी के पंजीकृत छात्र छात्राएं शामिल होंगे। इस परीक्षा हेतु क्षेत्र के बनाये गए परीक्षा केंद्र उत्कृष्ट विद्यालय साईंखेड़ा मे 288, शहर के बीटीआईं स्कूल गाडरवारा मे 288, शासकीय कन्या उ मा शाला गाडरवारा मे 288, शासकीय आदर्श उ मा विद्यालय गाडरवारा में 258 छात्र छात्राएं शामिल होंगे। इसके अलावा चीचली ब्लॉक के परीक्षा केंद्र उत्कृष्ट विद्यालय चीचली मे 288 तथा शा कन्या उ मा विद्यालय सालीचौका मे 288 छात्र छात्रायें शामिल होंगे। परीक्षा के लिए गोपनीय सामग्री का वितरण किया जा चुका हे एवं परीक्षा की तैयारी मे परीक्षा केंद्र वाले शिक्षको द्वारा पूर्ण कर ली गई है। बताया जाता है कि उक्त परीक्षा में शामिल होने वाले बच्चों को प्रवेश पत्रों का वितरण किया जा चुका है।

ओशो जन्म महोत्सव अंतर्गत ध्यान शिविर आयोजित

ओशो जन्मोत्सव का समापन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। विश्व प्रसिद्ध दार्शनिक एवं आध्यात्मिक रजनीश ओशो के 11 दिसंबर को जन्मोत्सव अवसर पर स्थानीय ओशो लीला आश्रम में तीन दिवसीय ध्यान शिविर स्वामी ध्यान आकाश के सानिध्य में आयोजित किया गया। उक्त ध्यान शिविर के दौरान स्थानीय एवं बाहर के ओशो संन्यासियों ने ओशो की विभिन्न ध्यान विधियों का साक्षी और आनंद भाव के साथ रसपान किया। वही प्राकृतिक वादियों में स्थित ओशो लीला आश्रम में 11 दिसंबर ओशो जन्म महोत्सव अवसर पर ओशो सन्यासियों एवं अनुयायियों द्वारा हर्ष उल्लास के साथ संध्याकाल कुंडलिनी ध्यान करने के साथ जय ओशो के गगन भेदी स्लोगन गुंजित हुए। इस अवसर पर ओशो लीला आश्रम के मीडिया प्रभारी स्वामी राजेश नीरस ने उक्त सिविर की जानकारी देते हुए बताया कि ओशो के जन्म महोत्सव 11 दिसंबर से पूर्व एवं 19 जनवरी मृत्यु महोत्सव तक देश के विभिन्न स्थानों के अलावा विदेश के ओशो सन्यासियों का बड़ी संख्या में ओशो की क्रीडा स्थली गाडरवारा तथा ओशो लीला आश्रम में आवागमन बना रहता है जो ओशो सन्यासियों के लिए आनंद समागम महोत्सव से कम नहीं होता है। ओशो की जन्म एवं क्रीड़ा स्थली सदैव दर्शनीय रहेगी...। रजनीश ओशो का जन्म वैसे तो रायसेन जिले के छोटे से कस्बा कुचवाडा मैं 11 दिसंबर 1931 को ननिहाल में हुआ था। वह करीब 7 वर्ष की आयु में माता-पिता एवं परिवार में गाडरवारा आए जिनकी प्राथमिक शिक्षा गंज प्राथमिक शाला माध्यमिक एवं हायर सेकेंडरी शिक्षा आदर्श स्कूल में प्राप्त की सार्वजनिक पुस्तकालय जहां से ओशो ने गहन अध्ययन किया। वही अध्ययन की गई एवं अमूल्य किताबें पुस्तकालय में संरक्षित कर रखी गई है उनकी आध्यात्मिक यात्रा बाल्य एवं किशोरावस्था से ही आरंभ हो गई थी। नगर की शक्कर नदी रामघाट आदि मृत्यु प्रयोग क्रीडा लीला अद्वैत की ओर ले जाने लगी जो बाद में विश्व प्रसिद्ध आध्यात्मिक के रूप में सामने आई। इसी के चलते गाडरवारा में ओशो से संबंधित स्थल बाहर श्री आता का मन करने वाले देश-विदेश के ओशो सन्यासियों के लिए दर्शनीय होते हैं और वे सभी अहो भाव से कृतज्ञता जाहिर करते हैं। इन दोनों नगर में विभिन्न शहरों तथा देश-विदेश के ओशो के सन्यासियों का बड़ी संख्या में आवा गमन बना हुआ है और वह ओशो ओशो से संबंधित दर्शनीय स्थलों को भ्रमण करते हुए निहार रहे हैं।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय बोहानी में किया गया जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बालकों के लिए समिति गठित

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। मिशन वात्सल्य समेकित बाल संरक्षण योजना के तहत बच्चों के हित में निर्मित कानूनों की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से बीते हुये दिवस एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय बोहानी में किया गया। इस अवसर पर बाल कल्याण समिति अध्यक्ष शिव कुमार रैकवार, सदस्य राजेन्द्र राजपूत, बाल संरक्षण अधिकारी सौनिध्य सराठे, अमृताष दुबे, आशीष विश्वकर्मा, प्राचार्य डा. अरूण कुमार तिवारी, उप प्राचार्य एसके अग्रवाल सहित समस्त अध्यापकगण मौजूद रहे। बताया जाता है कि शिवकुमार रैकवार ने किशोर न्याय (बालको की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के तहत बाल कल्याण समिति के कर्तव्यों एवं दायित्वों की जानकारी प्रदान करते हुये उन्होंने बताया कि देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बालकों के हित के लिए अध्यक्ष सहित 5 सदस्यों की समिति गठित की जाती है। जो संकट ग्रस्त, अनाथ, बेसहारा, परित्यक्त, बाल विवाह, पॉक्सो विक्टिम, स्ट्रीट चाईल्ड, बाल भिक्षुक तथा जोखिम पूर्ण परिस्थितियों में निवासरत बच्चों के लिए संरक्षण एवं पुर्नवास के लिए कार्य करती है। इसी प्रकार से राजेन्द्र राजपूत ने पॉक्सो एक्ट के संबंध में सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान उन्होनें पॉक्सो विक्टिम को प्रदान की जाने वाली सहायता के बारे में भी विस्तार से बताया। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों को सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श की जानकारी प्रदान करने के लिए काटून मूवी 'कोमल का प्रर्दशन किया गया। बाल संरक्षण अधिकारी सौनिध्य सराठे ने किशोर न्याय (बालको की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के तहत प्रावधानों के बारे में बताते हुये बच्चों को गुड टच एवं बेड टच की जानकारी दी गई। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के शोषण की जानकारी तत्काल रूप से अभिभावको/ संरक्षकों को देनी चाहिए। पॉक्सो एक्ट के तहत की गई शिकायत गोपनीयता के सिद्धांत का पालन करते हुए पूर्ण की जाती है। वही अमृताष दुबे ने चाईल्ड हेल्प लाईन एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम विषय के बारे में बताया। कार्यक्रम में बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलाई गई।

खबर संक्षेप

डिंडौरी में शिक्षकों की 91% ऑनलाइन उपस्थिति, सख्ती का दिखा असर

डिंडौरी। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा शिक्षकों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति ऑनलाइन दर्ज कराने के निर्देशों का प्रभाव अब साफ दिखाई देने लगा है। पूरे प्रदेश में जहां औसत उपस्थिति 60% से ऊपर पहुंची है, वहीं डिंडौरी जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 91% ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज की है। यह उपलब्धि प्रदेशभर में सराही जा रही है।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाल ही में हुई शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली को और सख्ती से लागू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। वहीं, शिक्षकों के वेतन भुगतान को भी अब ऑनलाइन उपस्थिति से ही जोड़ते हुए सीधे भोपाल से जनरेट करने की तैयारी की जा रही है।इस संबंध में सभी विभागीय डीडीओ को निर्देश जारी कर दिए गए हैं कि प्रत्येक शिक्षक की उपस्थिति शत-प्रतिशत पोर्टल पर दर्ज कराई जाए तथा समय पर उपस्थिति सुनिश्चित हो। वहीं विभाग का कहना है कि नई व्यवस्था से न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी बल्कि शिक्षण व्यवस्था में सुधार होगा और विद्यार्थियों को नियमित गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण मिलेगा।

सीसी सड़क हुई जर्जर, ग्रामीणों ने निर्माण में भारी अनियमितताओं के लगाए आरोप

अमरपुर। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत परसेल में मुख्य मार्ग से ग्राम पंचायत की ओर जाने वाले मार्ग में 15 वें आयोग की राशि 6 लाख रुपए की लागत से सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण कार्य किया गया हैं। जिस निर्माण कार्य का भूमि पूजन क्षेत्रीय सांसद फग्गनसिंह कुलस्ते द्वारा 25 जनवरी 2025 को किया गया था। जिस सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण की स्थिति दैनीय हो चुकी हैं। पूरे सड़क की गिट्टियां उखड़ चुकी हैं। जिस निर्माण कार्य से ग्रामीण दुखी हैं। इसको लेकर ग्रामीणों कलेक्टर से भी शिकायत करने की बात कह रहे हैं। साथ ही यह भी कह रहे हैं कि सड़क निर्माण कार्य में भारी अनियमित्ता बरती गई हैं। यहां तक की सड़क में तराई नहीं की गई हैं। जिस वजह से सड़क उखड़ रही हैं। वहीं इस संबंध में सचिव प्रहलाद सिंह मरकाम का कहना हैं कि सड़क निर्माण होते ही बारिश होने के कारण सड़क उखड़ रही हैं। पंचायत में निर्णय लिया हैं कि सड़क का मरम्मत किया जाकर सुधार दिया जाएगा। इस प्रकार ग्राम पंचायत परसेल में इनके अलावा भी हाट बाजार में चबूतरा निर्माण कार्य में भी भारी आनियमित्ता के आरोप ग्रामीणों द्वारा लगाएं गए हैं। इसके साथ ही ग्रामीणों का यह भी कहना हैं कि ग्राम पंचायत द्वारा किए गए निर्माण कार्यों की पुनः मूल्यांकन ग्रामीणों के समक्ष किया जाए। सीमेंट कांक्रीट सड़क जो मुख्य मार्ग से जिसका भूमि पूजन सांसद द्वारा किया गया हैं। वह इतना निम्न स्तर का हैं तो दूरस्थ क्षेत्र का क्या होगा इसी से सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता हैं।

मनरेगा में लापरवाही पर 8 सचिव और 9 ग्राम रोजगार सहायकों को कारण बताओ नोटिस

डिंडौरी। शुक्रवार को एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन ने जनपद पंचायत बजाग में अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति, लंबित प्रकरणों के निराकरण तथा ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।एसडीएम देवांगन ने अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने, पारदर्शिता बनाए रखने और फील्ड विजिट को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़ी योजनाओं का लाभ समय पर पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सिंगरौली कोल ब्लॉक मामले पर राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

कांग्रेस ने वन कटाई रोकने, आदिवासी अधिकारों की सुरक्षा व अडानी समूह को भूमि आवंटन रद्द करने की उठाई मांग

डिंडौरी।

सिंगरौली जिले में अडानी समूह को आवंटित कोल ब्लॉक, बड़े पैमाने पर वन कटाई तथा आदिवासी समुदायों के दमन के विरोध में शुक्रवार को जिला मुख्यालय डिंडौरी में राष्ट्रपति महामहिम को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन जिला कलेक्टर के माध्यम से भेजा गया, जिसे मध्यप्रदेश आदिवासी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष उमाशंकर सिंगराम के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने प्रस्तुत किया।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि सिंगरौली में कोल ब्लॉक आवंटन के चलते लगभग 1400 हेक्टेयर वनभूमि का डायवर्जन किया जा रहा है, जो पाँचवीं अनुसूची क्षेत्र में आती है। इस क्षेत्र में अधिकतर आबादी अनुसूचित जनजाति तथा विशेष रूप से संवेदनशील जनजातीय समूह से संबंधित है। बावजूद इसके ग्रामसभा की सहमति, आदिवासी अधिकारों व संवैधानिक प्रावधानों की खुली अनदेखी की गई है।

प्रतिनिधि मंडल ने आरोप लगाया कि सिंगरौली पुलिस प्रशासन द्वारा आदिवासी परिवारों को नजरबंद कर पेड़ कटवाए जा रहे हैं, जो न केवल अमानवीय है बल्कि संविधान सम्मत अधिकारों का घोर उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि वन कटाई, विस्थापन और दमनकारी कार्रवाइयों से ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है।

आदिवासी कांग्रेस द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेख है कि अडानी समूह को आवंटित कोल ब्लॉक व पावर प्लांट हेतु भूमि आवंटन को तत्काल रद्द किया जाए। दबाव रहित, विधिवत ग्रामसभा आयोजित कर वास्तविक सहमति ली जाए। पाँचवीं अनुसूची के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई कर निलंबन किया जाए। पेसा कानून व FRA का कड़ाई से पालन हो। सिंगरौली में जारी अवैध जंगल कटाई पर तत्काल रोक लगे। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड आवश्यक कार्रवाई करे। आदिवासी समुदाय पर दर्ज फर्जी मुकदमे वापस लिए जाएं और दमनकारी कार्रवाई बंद की जाए। ग्रामसभा की प्रक्रियाओं की निगरानी राष्ट्रीय जनजातीय आयोग व जनप्रतिनिधियों की समिति द्वारा कराई जाए। मुआवजा वितरण प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी हो। शांतिपूर्ण मुलाकात के लिए पहुंचे मप्र आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष रामू टेकाम की गिरफ्तारी को असंवैधानिक बताया गया और प्रशासन की कार्यप्रणाली की निंदा की गई।

उमाशंकर सिंगराम ने कहा कि सरकार और प्रशासन को आदिवासी समुदाय की संस्कृति, आजीविका और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करना आवश्यक है। यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन तेज किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान समय बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व आदिवासी नेता मौजूद रहे हैं।

उपस्वास्थ्य केन्द्र निर्माण कार्य में अनियमितता के आरोप, निरीक्षण में सामने आई खामियां

डिंडौरी। बजाग विकासखंड अंतर्गत सुनियामार में 55 लाख की लागत से कराये जा रहे उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण में उपयंत्री के निरीक्षण के दौरान अनेक खामियां सामने आई हैं, जिस पर उपयंत्री ने नाराजगी जताते हुए ठेकेदार को निर्माण कार्य मापदंड के मुताबिक कराने के निर्देश दिए हैं। ग्रामीणों द्वारा निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत के बाद निरीक्षण में पहुंचे एनआरएचएम की उपयंत्री सुरूचि परते ने निर्माणाधीन उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का निरीक्षण किया, जिसमें पाया गया कि लेंटर डालने के लिए सरिया बिछाई जा रही थी लेकिन इसकी जानकारी ठेकेदार द्वारा उपयंत्री को नहीं दी गई और मनमानी पूर्वक कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। उपयंत्री ने बतलाया कि भवन में तय मापदंड के अनुसार निर्माण कार्य नहीं कराया जा रहा है जबकि कंपनी के सुपरवाइजर को दूरभाष पर ही कार्य रोकने और निरीक्षण उपरांत ही ढलाई प्रारंभ करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद सुपरवाइजर ने निर्देशों की अनदेखी करते हुए छत ढलाई कार्य निरंतर जारी रखा। निरीक्षण में गंभीर तकनीकी अनियमितताएँ पाई गई हैं। इस तरह की अनियमितताएँ दीर्घकाल में भवन की सुरक्षा को प्रभावित कर सकती हैं। जिला प्रशासन अब मामले की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर रहा है और नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित फर्म के विरुद्ध कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है निर्माण कार्यों में इस प्रकार की तकनीकी लापरवाही न केवल शासन की मंशा का उल्लंघन है बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा बन सकती है।

मप्र लघु वेतन कर्मचारी संघ ने 15 सूत्रीय मांगों को लेकर विधायक को सौंपा ज्ञापन

मांगें पूरी नहीं होने पर बस 21 फरवरी को भोपाल में होगा विशाल प्रदर्शन और आमसभा

डिंडौरी

मप्र लघु वेतन कर्मचारी संघ ने अपनी लंबित मांगों के शीघ्र निराकरण के लिए संघ जिलाध्यक्ष प्रकाश सिंह चंदेल के नेतृत्व में डिंडोरी विधायक ओमकार मरकाम के निवास में पहुंचकर 15 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपते हुए समस्याओं से अवगत कराया। संघ ने विधायक को वेतन वृद्धि, पदोन्नति, पदस्थापना और नियमितीकरण की मांग को लेकर अपना विरोध दर्ज कराया। श्री चंदेल ने ज्ञापन में बताया कि भृत्य का नाम परिवर्तन कर कार्यालय सहायक, नियमित कर्मचारियों का ग्रेड पे में संशोधित कर 1300 के स्थान पर 1800 किया दैनिक वेतनभोगियों को स्थाई कर्मी किया जाना एवं स्थाई कर्मीयों नियमित किया जाना नियुक्ति तिथि से वरिष्ठता का लाभ दिया जाना, अंशकालीन कर्मचारियों को दैनिक वेतनभोगी किया जाना,आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को शासकीय कर्मचारी घोषित करने समेत ग्राम रक्षकों (कोटवार) को नियमित सेवा का दर्जा दिया जाए। आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए एक आयोग गठित कर, ठेका प्रथा समाप्त करे, विभागवार वरिष्ठता सूची जारी करने और उन्हें नियमित सेवा का अवसर प्रदान करे। अन्य मांगों में कर्मचारियों का वर्दी धुलाई भत्ता 50 रुपए से बढ़ाकर 200 रुपए प्रतिमाह करना और सभी कर्मचारियों को 1 जनवरी 2016 से 7वें वेतनमान का लाभ देना शामिल है। संघ पदाधिकारियों ने आगामी आंदोलन की रूपरेखा भी बताई। इसके तहत चौथे चरण में 26 दिसंबर को सांकेतिक धरना, पांचवें चरण में 16 जनवरी को बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण और छठवें चरण में 29 जनवरी को पत्रकार वार्ता का आयोजन किया जाएगा। संघ ने चेतावनी दी है, कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं, तो सातवें चरण में 21 फरवरी 2026 को भोपाल में विशाल प्रदर्शन और आमसभा आयोजित की जाएगी। यदि शासन ने 15 सूत्रीय मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया तो प्रदेशभर में आंदोलन को और तेज किया जाएगा। ज्ञापन के दौरान संभागीय सचिव मिहीलाल धुर्वे, संरक्षक भागवानी धुर्वे , जिला सचिव अशोक यादव जिला मिडिया प्रभारी मंयक उद्देसिया गणराज यादव अघनू सिंह कोकड़िया राजेश बर्मन तरुण वंसपाल एवं सभी विभागों के पदाधिकारी कर्मचारी सक्रिय कार्यकर्ता सहित बडी संख्या में संघ के कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में डीएलसीसी की बैठक संपन्न

डिंडौरी। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में डीएलसीसी की बैठक संपन्न हुई। उक्त बैठक में अतिरिक्त सीईओ जिला पंचायत पंकज जैन, अग्रणी जिला प्रबंधक रविशंकर, अग्रणी जिला अधिकारी (आरबीआई) एस सरवन, सांसद प्रतिनिधि नरेन्द्र राजपूत, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राजेन्द्र कुमार जाटव, कृषि एवं कल्याण विभाग,उद्यानिकी, मत्स्य, जिला अधिकारी सहित सभी विभागीय अधिकारी एवं बैंकर्स उपस्थित रहे। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने सभी बैंकों को निर्देशित किया कि जिले के साख, जमा अनुपात जो 49 प्रतिशत दर्ज किया गया है उसमें सुधार करने की आवश्यकता है साथ ही प्राथमिकता के साथ प्राप्त क्षेत्र में बैंक द्वारा दिए जाने वाले ऋण तथा कृषि क्षेत्र, लघु उद्योग क्षेत्र में ऋण वितरण में प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विभिन्न शासकीय योजना तथा पीएमएफएमई, भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना, टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, बैंक क्रेडिट लिंकेज स्वयं सहायता समूह, पीएम स्वनिधि, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में प्राप्त लक्ष्यों को माह दिसंबर तक शत प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करने हेतु निर्देश दिए गए। साथ ही लक्ष्य पूर्ति करने में लापरवाही करने वाले अधिकारी कर्मचारियों पर जिम्मेदार अधिकारी पर कार्यवाही की जाएगी।

जिला स्वास्थ्य समिति बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की समीक्षा

डिंडौरी। कलेक्टर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज पाण्डेय, सिविल सर्जन डॉ. अजय राज, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. राजकुमार डोंगरे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयश्री मरावी तथा प्रभारी जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री दिलीप कछवाहा सहित जिला एवं विकासखंड स्तर के समस्त अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में 01 अप्रैल 2025 से नवम्बर 2025 तक स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों एएनसी पंजीयन, जांच प्रबंधन, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, पोषण पुनर्वास केन्द्र संचालन, परिवार कल्याण कार्यक्रम, टीबी नियंत्रण, एनीमिया प्रबंधन, पीआईएच, मातृ-शिशु मृत्यु दर, एसएनसीयू डिस्चार्ज, सिकल सेल एनीमिया उपचार तथा आयुष्मान कार्ड बनाने की विस्तृत समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने जिले में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए सभी नोडल अधिकारियों एवं चिकित्सा अधिकारियों को सतत निगरानी तथा मासिक समीक्षा कर एक माह में ठोस सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी समीक्षा बैठक में प्रत्येक अधिकारी को बेहतर प्रगति प्रस्तुत करने के लिए भी निर्देशित किया।

100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत निरंतर जन-जागरूकता कार्यक्रम संचालित

शालाओं में गूँजी आवाज बाल विवाह नहीं करेंगे, न होने देंगे

डिंडौरी । कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिलेभर में 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत निरंतर जन-जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रैपुरा, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोंदू टोला (पुरानी डिंडौरी) एवं शासकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय मेहंदवानी में बाल विवाह रोकथाम हेतु विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विद्यार्थियों को बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी सत्रों के दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि बाल विवाह से शारीरिक कमजोरी, शिक्षा में बाधा, मानसिक विकास में रुकावट, हिंसा व दुर्व्यवहार का जोखिम, समयपूर्व गर्भावस्था, मातृ मृत्यु दर में वृद्धि जैसी गंभीर समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। कार्यक्रम में स्पष्ट किया गया कि बाल विवाह करना, करवाना, सहायता या प्रोत्साहन देना पूर्णतः दंडनीय अपराध है, जिसमें 2 वर्ष तक का कठोर कारावास, 1 लाख रुपये तक का जुर्माना अथवा दोनों का प्रावधान है। सामूहिक शपथ व हस्ताक्षर अभियान शालाओं में विद्यार्थियों, शिक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं पर्यवेक्षकों द्वारा बाल विवाह नहीं करेंगे, न होने देंगे की सामूहिक शपथ ली गई।

साथ ही विद्यार्थियों ने हस्ताक्षर अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए बाल विवाह उन्मूलन के समर्थन में अपनी प्रतिबद्धता दर्ज की। अधिकारियों व स्टाफ की सक्रिय उपस्थिति जागरूकता कार्यक्रम में विद्यालयों के प्राचार्य एवं शिक्षकगण, सेक्टर पर्यवेक्षक सोनल उइके, यशोदा भलावी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आईसीपीएस टीम, काउंसलर सुषमा डोंगरे, आउटरीच वर्कर पूजा तेकाम तथा महिला एवं बाल विकास विभाग का स्थानीय स्टाफ सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

एसडीएम रामबाबू देवांगन के नेतृत्व में राजस्व और खनिज अमले ने छापा मार कार्रवाई शुरू

स्टोनक्रेशर में राजस्व और खनिज अमले ने दी दबिश, मौके पर मिली अनियमितताऐं

डिंडौरी। अनुभाग बजाग अंतर्गत क्षेत्र में नियमों को ताक पर रखकर संचालित स्टोन क्रेशरों के विरुद्ध मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम रामबाबू देवांगन के नेतृत्व में राजस्व और खनिज अमले ने छापा मार कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में शुक्रवार को सहायक खनिज अधिकारी, मानचित्रकार उज्जवल पटले, सर्वेयर सहित एसडीएम बजाग की संयुक्त टीम ने आमाडोंगरी के खसरा क्रमांक 641 में उत्तम साहू द्वारा संचालित स्टोन क्रेशर एवं भंडारण स्थल का औचक निरीक्षण किया। टीम की यह कार्रवाई सुबह से ही शुरू हो गई, जिसमें अधिकारियों ने पूरे प्लांट परिसर, भंडारण स्थल और दस्तावेजों की गहन पड़ताल की। जांच के दौरान टीम ने सबसे पहले स्टोन क्रेशर में स्थापित मशीनों, रॉ-मटेरियल और तैयार गिट्टी की प्रक्रियाओं की जानकारी ली। इसके बाद अधिकारियों ने गौण खनिज से संबंधित बिल बुक, रजिस्टर, ऑनलाइन दस्तावेज और पर्यावरणीय मानकों से जुड़े कागजातों की जांच करते हुये अनियमितताएँ पाई गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिल बुक एवं ई-टीपी (इलेक्ट्रॉनिक ट्रांजिट पास) का मिलान करने पर अंतर पाया गया। यह अंतर इस बात की ओर संकेत करता है कि क्रेशर से निकासी की गई सामग्री और परिवहन हेतु जारी किए गए ई-टीपी में असमानता है। टीम ने इस विसंगति पर गंभीर आपत्ति जताई तथा आगे विस्तृत जांच के लिए दस्तावेज सुरक्षित रख लिए हैं। जांच के दौरान मौके पर स्टोन भंडारण की वास्तविक स्थिति का भी निरीक्षण किया और क्रेशर परिसर में भंडारित स्टोन एवं गिट्टी की मात्रा को मापते हुए उसका भी पंचनामा तैयार किया गया है। मौके पर अधिकारियों ने पाया कि स्टोन भंडारण से संबंधित आवश्यक दस्तावेज मौके पर उपलब्ध नहीं हैं। जबकि नियमों के मुताबिक किसी भी स्टोन क्रेशर संचालक को भंडारण मात्रा, परिवहन और उत्पादन संबंधी रजिस्टर नियमित रूप से संधारित रखना होता है। जांच के दौरान पाया गया कि उक्त क्रेशर परिसर में पर्यावरण संरक्षण के तहत आवश्यक वृक्षारोपण नहीं किया गया है। जबकि नियमों के अनुसार, खनिज संबंधी किसी भी गतिविधि के लिए निर्धारित क्षेत्र में पेड़ों का रोपण अनिवार्य है, जिससे धूल प्रदूषण नियंत्रण में रहे। लेकिन स्थल निरीक्षण में एक भी व्यवस्थित प्लांटेशन नहीं मिला, जिस पर अधिकारियों ने नाराजगी व्यक्त की और इसे नियमों का स्पष्ट उल्लंघन माना है। टीम ने आगे की प्रक्रिया के तहत क्रेशर संचालक की बिल बुक की प्रतियां अपने कब्जे में लेकर ऑनलाइन दस्तावेजों की जांच के लिए सुरक्षित रखी है। साथ ही भूमि डायवर्सन एवं संबंधित रिकॉर्ड की जांच के लिए पटवारी को आवश्यक निर्देश जारी किए गए। एसडीएम रामबाबू देवांगन ने बतलाया कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि क्रेशर संचालित क्षेत्र का डायवर्सन विधिवत स्वीकृत है या नहीं। निरीक्षण के दौरान एसडीएम बजाग एवं खनिज विभाग की टीम ने पूरे परिसर का वीडियो रिकॉर्ड और फोटो दस्तावेजीकरण भी किया, जिससे रिपोर्ट तैयार करने में सहायता होगी। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि जांच पूरी होने के बाद नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। खनिज विभाग द्वारा की गई यह जांच जिले में संचालित अन्य स्टोन क्रेशरों के लिए भी एक सख्त संदेश मानी जा रही है।

गौशाला निर्माण एवं आवास की मजदूरी भुगतान किये जाने की मांग

डिंडौरी। जनपद पंचायत मेहंदवानी अंतर्गत ग्राम जरगुड़ा निवासी दो ग्रामीण ने गौशाला निर्माण की राशि दिलाने और आवास की मजदूरी का भुगतान कराने की मांग को लेकर अलग अलग आवेदन कलेक्टर कार्यालय में दिया गया है। आवेदन में हितग्राही सुक्कर सिंह पिता मंगल सिंह ने बतलाया कि मुझे वर्ष 2024-2025 में ग्राम पंचायत जरगुड़ा के माध्यम से गौशाला निमार्ण कराने का आदेश मिला था। मैंने मटेरियल सप्लायर से उधारी में मटेरियल मंगाकर गौशाला का निमार्ण कराया था। इसके बाद भी आज तक गौशाला निर्माण की राशि ग्राम पंचायत द्वारा मुझे नहीं दी गई है। मटेरियल सप्लायर द्वारा मुझे बार बार अभद्र शब्दों से गाली गलोच और धमकी दी जा रही है। हितग्राही ने कलेक्टर से मांग की है कि गौशाला निर्माण की राशि अति शीघ्र दिलवाई जाए। इसी तरह हितग्राही कुसुम बाई पति बाबूलाल मेरा वर्ष 2024-2025 में ग्राम पंचायत जरगुड़ा के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास का निर्माण कराया गया है, जिसकी मजदूरी की राशि आज तक मुझे नहीं मिली है। हितग्राही महिला ने मांग की है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मुझे मजदूरी की राशि का अति शीघ्र भुगतान कराया जाए।

खबर संक्षेप

बीआरसी ने किया शालाओं का औचक निरीक्षण

तेंदूखेड़ा। विगत दिनों जिला कलेक्टर नरसिंहपुर के निर्देशन में परीक्षाओं के सफल संचालन एवं मानिटरिंग को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी तथा जिला परियोजना समन्वयक की सयुंक्त टीम गठित कर निरिक्षण अमले द्वारा शुक्रवार को चांवरपाठा विकासखंड के सभी विद्यालयों का वीआरसी सुनील श्रीवास्तव एवं जनशिक्षको द्वारा सुबह साढ़े दस बजे औचक निरिक्षण किया गया। जिसमें बहुत सी शालाओं के शिक्षक समय पर अनुपस्थित पाये गये। जिनमें बरमान भरखेडा ढिगसरा सूखा ढिगसरा काशीखैरी चिरचिरा सुभाष नगर खिरिया की शालायें प्रमुख रुप से शामिल हैं।बी आर सी ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि यह प्रक्रिया सतत जारी रहेगी हीलाहवाली करने वाले प्रत्येक शिक्षक पर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। इसलिए सभी शिक्षक समय पर स्कूल पहुंचे और परीक्षाओं को गंभीरता से लें।

विद्यार्थियों को बांटे गर्म वस्त्र

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस नगर के समाज सेवी अनुराग नेमा द्वारा स्थानीय शासकीय प्राथमिक शाला भाटिया टोला में विद्यार्थियों को गर्म कपड़े वितरित किए गए। विद्यालय में दर्ज 65 विद्यार्थियों को ठंड से बचाव हेतु गर्म ऊनी वस्त्रों का वितरण किया गया। उक्त अवसर पर श्री नेमा के परिजन व संस्था प्रभारी श्रीमती अंजू पटेल सहित स्कूल स्टाफ मौजूद रहा। विद्यालय की संस्था प्रभारी श्रीमती पटेल ने बच्चों के हित में किए गए इस सहयोग हेतु अनुराग नेमा और उनके परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया।

परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस स्थानीय सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एवं स्वर्णांक कॅरियर इंस्टीट्यूट के संयुक्त तत्वाधान में परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 9 वी एवं 10 वी के छात्र छात्राओं से चर्चा की गई। संस्था प्राचार्य आनंद मोहन कुर्मी ने दिये गये मार्गदर्शन को भविष्य की दृष्टि से उपयोगी बताते हुये उपस्थित महानुभावों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

युवक को सर्प ने काटा

नरसिंहपुर। गत दिवस युवक को घर पास ही सर्प ने काट लिया पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुनील पिता छोटेलाल ठाकुर उम्र 22 वर्ष निवासी कुहला थाना चरगुवा को अपने ही घर के सामने सर्प ने काट लिया जिसे परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

महिला ने खाया जहर

नरसिंहपुर। गत दिवस थाना कोतवाली क्षेत्र निवासी महिला द्वारा अज्ञात कारणों से अपने ही घर पर जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया। जिसे परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है। वही पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

दीवार गिरने से युवक घायल

नरसिंहपुर। गत दिवस थाना कोतवाली क्षेत्र मे दीवार गिरने से युवक घायल हो गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नीरज उर्फ सोनू जाटव पिता मुन्नालाल जाटव उम्र 28 वर्ष निवासी जल्लापुर थाना कोतवाली नगर के सदर मढ़िया के पास काम कर रहा था तभी दीवार गिरने से वह घायल हो गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों की चर्चा, पूछे प्रश्न

विभिन्न निर्माण कार्यों, स्कूलों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जनपद पंचायत नरसिंहपुर व गोटेगांव में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल धमना व शासकीय नवीन माध्यमिक शाला खोबी, आंगनबाड़ी केन्द्र खोबी और राव वेयरहाउस गर्रा रोड कंजई के धान खरीदी केन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम गोटेगांव श्रीमती संघमित्रा गौतम, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जिले की जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत बढ़ैयाखेड़ा में निर्माणाधीन अटल ग्राम सेवा सदन (पंचायत भवन) का निरीक्षण किया। यह भवन 37.49 लाख रुपये की लागत से बनाया जा रहा है। उन्होंने समय सीमा में पूरी गुणवत्ता के साथ भवन को पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने नरसिंहपुर सांकल रोड के शेड नदी के निर्माणाधीन पुल और नरसिंहपुर- सांकल मार्ग पर ऊमर नदी में बन रहे निर्माणाधीन पुल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारी को समय सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि सुरक्षा मानक संबंधी बोर्ड लगाया जाए और इसके साथ ही निर्माण एजेंसी का नाम, लागत, कार्य पूर्णता की अवधि का भी बोर्ड लगाया जाए। इसके अलावा कलेक्टर श्रीमती सिंह ने सड़क मार्ग के मरम्मत कार्य का भी अवलोकन किया। उन्होंने समय सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने ग्राम खोबी में निर्माणाधीन पंचायत भवन का भी निरीक्षण किया। इसी तरह कलेक्टर ने गोटेगांव जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम राखी भैंसा में नहर के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया।

धमना व खोबी स्कूल का किया निरीक्षण

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल धमना का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां कक्षा 12 वीं के छात्र-छात्राओं से कॉमर्स, गणित, अंग्रेजी विषय से संबंधित प्रश्न पूछे और उन्हें विषयों के बारे में समझाया। विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से कहा कि वे मन लगाकर पढ़ाई करें और किसी भी विषय पर कोई समस्या आती है या समझ नहीं आता है, तो उसे अपने शिक्षक से जरूर पूछें। विद्यार्थी प्रश्न पूछने में झिझकें नहीं। इसी तरह कलेक्टर ने शासकीय नवीन माध्यमिक शाला खोबी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने यहां कक्षा 6 वीं, 7 वीं व 8 वीं की अर्द्धवार्षिक परीक्षा का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने आंगनबाड़ी केन्द्र खोबी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों को मिलने वाले मध्यान्ह भोजन की जानकारी ली और पंजी संधारण का अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर ने बच्चों के लिए खाना नहीं बनने और पंजी संधारण के कार्य में लापरवाही पाए जाने पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मोहिनी सेन की सेवा समाप्ति का नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

वेयर हाउस व धान खरीदी केन्द्र का किया निरीक्षण

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने शुक्रवार को राव वेयरहाउस गर्रा रोड कंजई के केन्द्र क्रमांक 1 एवं 2 में बनाए गए धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण किया। यहां प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति खमरिया और विकास आजीविका ग्राम संगठन डोभी की महिलाओं द्वारा खरीदी का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि किसान क्रमांक, केंद्र क्रमांक, वजन आदि का टैग लगाया जाए। शासन द्वारा जारी उपार्जन नीति अनुरूप उपार्जन का कार्य सुचारू रूप से संपादित करें। अपनी उपज लेकर आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इसी क्रम में अनुविभागीय राजस्व अधिकारी कार्यालय गोटेगांव का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान दायरा पंजी का अवलोकन किया। दायरा पंजी में प्रकरण सही तरीके से दर्ज नहीं होने पर संबंधित दोनों रीडरों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार कलेक्टर ने आरसीएमएस में दर्ज प्रकरणों का भी अवलोकन किया।

---

1 करोड़ 29 लाख से बनेगा पुल, मंत्री श्री पटेल की सौगात

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला मुख्यालय के समीपी ग्राम कपूरी से लोगों को आवागमन मे नाले के कारण परेशानी का सामना करना पड़ता था। ग्राम कपूरी वासियों को अब बड़ी सौगात मिली है। कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल के प्रयासों से एनएच-26 के समीप ग्राम कपूरी में लगभग 1 करोड़ 29 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित पुल निर्माण की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इस पुल के बन जाने से ग्रामीणों को खासकर बारिश के दिनों में होने वाली आवाजाही की दिक्कतों से मुक्ति मिलेगी ग्रामीणों की पीड़ा को समझते हुए कैबिनेट मंत्री पटेल ने तत्काल मामले को संज्ञान में लिया और संबंधित विभाग से बात कर पुल निर्माण के लिए स्वीकृति दिलाई स्थानीय लोगों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह पुल केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि उनकी रोजमर्रा की जिंदगी में आने वाली कठिनाइयों से स्थाई राहत दिलाने वाला कदम है। किसानों का आवागमन सुगम होगा, बच्चों की शिक्षा प्रभावित नहीं होगी और आपात स्थिति में राहत तेजी से मिल सकेगी उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि ग्रामीणों ने कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल तथा सभी स्थानीय जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया है। उनके अनुसार, यह पुल कपूरी ही नहीं बल्कि आसपास के कई गांवों के विकास में अहम भूमिका निभाएगा और क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा देगा।

इंडक्शन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पुस्तकालय विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ आर.बी. सिंह के मार्गदर्शन में एक महत्वपूर्ण इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से नवीनतम पाठ्यक्रम, प्रतियोगी परीक्षाओं, तथा स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर से संबंधित डिजिटल बुक्स (ई-बुक्स) को एक्सेस करने की सम्पूर्ण प्रक्रिया से छात्र-छात्राओं को परिचित कराने के उद्देश्य से वर्चुअल कक्ष में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस इंडक्शन प्रोग्राम का संचालन करते हुए पुस्तकालय के अध्यक्ष (ग्रन्थपाल) डॉ. वीरेंद्र झारिया ने डिजिटल संसाधनों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह सुविधा विद्यार्थियों को किसी भी समय और कहीं से भी उच्च-गुणवत्ता वाली अध्ययन सामग्री तक पहुँच प्रदान करेगी। ई-लाइब्रेरी की संचालिका श्रीमती नीता ढिमोले ने इंटरनेट के माध्यम से डिजिटल बुक्स प्राप्त करने की सम्पूर्ण व चरणबद्ध प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को लॉग-इन, सर्चिंग, डाउनलोडिंग और रीडिंग के संबंध में आवश्यक तकनीकी जानकारी प्रदान की, ताकि वे ई-संसाधनों का अधिकतम लाभ उठा सकें। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकों की उपस्थिति भी सराहनीय रही, जिन्होंने विद्यार्थियों को डिजिटल साक्षरता और इन संसाधनों के समुचित उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया।

नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा को लेकर प्रशिक्षण सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के आयोजन के पूर्व कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जवाहर नवोदय विद्यालय बोहानी में जिला शिक्षा अधिकारी प्रतुल्य इन्दुरख्या, प्राचार्य डॉ अरुण कुमार तिवारी की उपस्थिति में समस्त परीक्षा केंद्राध्यक्ष का उन्मुखीकरण प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ। जिले के चयनित 16 परीक्षा केंद्रों पर 13 दिसंबर को आयोजित चयन परीक्षा में शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के 5221 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे।

कुत्ते का शव लेकर थाने पहुंचे परिजन

तेंदूखेड़ा। समीपी ग्राम भामा में एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है । जहां एक कुत्ते की हत्या कर देने का आरोप लगाते हुए परिजन पुलिस थाने पहुंच गये। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार ग्राम भामा गांव में रहने वाले एक केवट एक परिवार ने आपसी विवाद के चलते दूसरे परिवार पर अपने कुत्ते को मौत के घाट उतारने का आरोप लगाया है। जिसमें कहा गया है कि कि आपसी विवाद के चलते कन्हैया केवट ने कुत्ते को बिजली का करंट लगाकर मौत के घाट उतार दिया है। कुत्ते के मलिक ने बताया कि वह अपने पालतू कुत्ते को बहुत ही ज्यादा चाहते थे।उसकी करेंट लगाकर हत्या की गई है जिसका शव लेकर तेंदूखेड़ा थाने पहुंचे गया और कुत्ते को मारने वाले व्यक्ति की लिखित शिकायत की गई पहले रिपोर्ट लिखने को लेकर पुलिस द्वारा ना नुकुर की जा रही थी लेकिन बाद में लिखित शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है।इस घटना को लेकर कुत्ते के मालिक बेहद दुखी है और कुत्ते की मरने वालों को जेल भेजने की बात कर रहे हैं। वही तेंदूखेड़ा पुलिस ने शिकायतकर्ता की शिकायत के आधार कुत्ते के शव को पीएम के लिए भेज दिया है ।और कहा है की मामले की जांच की जा रही हैं जांच के बाद ही आरोपी पर कार्यवाही की जाएगी।

अतिथि शिक्षिका की नियुक्ति सवालों के घेरे में

तेंदूखेड़ा- विगत दिनों शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोभी में भौतिक शास्त्र विषय की एक अतिथि शिक्षिका को नई नियुक्ति सवालों के घेरे में बनीं हुई है।जिसे लेकर पेनल में पूर्व से नाम वाले आवेदक ने इस प्रक्रिया को गलत बताते हुए इस नियुक्ति का विरोध किया है।साथ ही शिक्षा विभाग की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए न्यायालय की शरण में जाने की बात कही है।सवाल उठाने वाले सत्येंद्र अवस्थी का कहना है कि नीमा प्रजापति पूर्व से ही कौड़ियां उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में इसी विषय की अतिथि शिक्षिका के रूप में पदस्थ थीं। वहां से रिजाइन देने के बाद अचानक अगले ही दिन डोभी विद्यालय में जॉयनिंग मिलने तथा पहले से ही पैनल में शामिल व्यक्ति को कोई जानकारी ना देना निश्चित तौर पर संदेह व्यक्त करता है। सितंबर माह में कोड़ियां में पढ़ा रहीं थीं। नीमा प्रजापति ने लगभग 20 से 22 सितंबर के बीच उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोड़ियां में भौतिक शास्त्र विषय के लिए जॉइन किया था। वे लगातार वहां कक्षाएं ले रही थीं।लेकिन 30 नवंबर को वे अचानक विद्यालय नहीं पहुंचीं थीं और विद्यालय छोड़ने का हवाला दिया था।इसके चलते कौड़िया विद्यालय में विद्यालय में भौतिक शास्त्र का पद अब पूरी तरह खाली हो गया है। विद्यालय में अब इस विषय का कोई शिक्षक नहीं है। जिससे कक्षा 11वीं और 12वीं के विज्ञान वर्ग के छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। डोभी हाईस्कूल में अतिथि शिक्षकों के ऑनलाइन पद रिक्त दिख रहे थे। जिस पर डोभी की प्राचार्य राजेश्वरी साहू को पैनल में शामिल अभ्यर्थियों को भौतिक शास्त्र का पद बुलाकर चयन करना था। पैनल में नीमा प्रजापति का नाम भी मौजूद था। इसी आधार पर उन्हें 1 दिसम्बर को डोभी विद्यालय में जॉयनिंग दे दी गई। आवेदक का आरोप है कि शिक्षा विभाग में कुछ अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा मनमर्जी और पक्षपातपूर्ण तरीके से कार्य किया जा रहा है। जिससे योग्य और बेरोजगार आवेदकों को मौका नहीं मिल पा रहा। यह भी कहा गया कि 30 नवंबर को कौड़ियां में आवेदन देने के अगले ही दिन 1 दिसंबर को दूसरे विद्यालय में रिक्त छात्र परेशान कौडिया उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य प्रसन कौरव का कहना है कि नीमा प्रजापति के जाने के बाद विद्यालय में भौतिक शास्त्र का एक भी शिक्षक उपलब्ध नहीं है। विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राएं परीक्षाओं के समय में बिना शिक्षक के पढ़ाई के लिए परेशान हो रहे हैं। प्राचार्य ने बताया कि इस विषय में तत्काल नियुक्ति की जरूरत है। नई जॉयनिंग दे देना विभागीय प्रक्रिया पर सवाल खड़े करता है।

इनका कहना है

पैनल में नाम होने के कारण ही नीमा प्रजापति को चयनित किया गया। उनके अनुसार प्रक्रिया नियम के अनुसार गई है।साथ ही यहां से जो अतिथि शिक्षक गये हैं उनके जाने के बाद पद खाली था। चयनित अतिथी शिक्षक सक्रिय रही उसके द्वारा आवेदन किया गया था।

राजेश्वरी साहू प्रभारी
प्राचार्य डोभी

हमारा नाम पूर्व से ही पैनल में था मुझे किसी भी प्रकार की सूचना नहीं दी गई यह सरासर ग़लत है।इस विषय की शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों से की जायेगी और जरुरत पड़ी तो न्यायालय की शरण में भी जाना पड़ेगा तो भी जाउंगा।

सत्येंद्र अवस्थी